

# भारतीय सिनेमा में राजनीतिक चित्रण: व्यावसायिकता और समाज

डॉ० नीतू मेहता

सहायक आचार्य संस्कार गर्ल्स कॉलेज कॉंपरेन राज

भारतीय सिनेमा में राजनीति के दर्पण के रूप में चित्रण का विश्लेषण करते हुए कई फिल्मों में राजनीतिक मुद्दों, समाजिक परिवर्तनों और सामाजिक अंधविश्वास को प्रदर्शित करती हैं। हिंदी सिनेमा के अनेक चरित्र और कहानियाँ राजनीतिक संघर्ष, नेताओं के किरदार और राजनीतिक संघर्षों को दिखाती हैं जो समाज के मुद्दों और विभिन्न विचारधाराओं को प्रदर्शित करते हैं। यह फिल्में आम जनता को राजनीतिक मामलों के प्रति जागरूक करती हैं और समाज में सुधार को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। हिंदी सिनेमा में राजनीति के दर्पण के रूप में उभरते कई फिल्मी धाराओं में सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार, राजनीतिक विवादों के परिणामस्वरूप होने वाले सामाजिक बदलाव और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच संघर्ष को प्रदर्शित किया जाता है। इन फिल्मों में नेताओं के किरदार बड़े महत्वपूर्ण होते हैं और उनके चरित्रों को आम जनता के जीवन से जोड़ा जाता है। सामाजिक विचारधाराओं, राजनीतिक रूपरेखा और चुनौतियों को देखते हुए यह फिल्में दर्शकों को समझाती हैं कि राजनीति कैसे समाज को प्रभावित करती है और इसका क्या प्रभाव होता है। इस तरह के फिल्मों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में मदद करती हैं और लोगों को सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती हैं।

## निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार किए गए हैं

**सामाजिक मुद्दों** हिंदी सिनेमा अक्सर राजनीतिक विषयों और सामाजिक मुद्दों को दिखाता है जहाँ कि भ्रष्टाचार, गरीबी, सांप्रदायिक तनाव और लिंग समानता जो समाज द्वारा वास्तविक जीवन के साथ सामना करने वाले चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हैं।

**राजनीतिक नेता** फिल्मों में राजनीतिक नेताओं और उनके संघर्षों को दर्शाती हैं जो उनके विचारधाराओं, अभिलाषाओं और समाज की समस्याओं को समझाती हैं।

**विचारधारा के विरोध** हिंदी फिल्मों में विभिन्न राजनीतिक दलों या ग्रुप्स के बीच विचारधारा के विरोध को दिखाती हैं जिससे भारत के विविध राजनीतिक मंच को प्रतिनिधित्व किया जाता है।

**राजनीतिक प्रचार** फिल्मों में चुनाव प्रचार रणियों और जनसभाओं का दृश्यकला भारतीय राजनीति के गतिविधियों के बारे में पंदाज़ा देते हैं और नेताओं के साथ जनता के साथ संबंध बनाने के प्रयासों को दर्शाते हैं।

**सामाजिक न्याय** कई फिल्मों में सामाजिक न्याय आंदोलनों पर ध्यान केंद्रित करती हैं जिससे सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता और समर्थन को दिखाया जाता है।

**आम जनता पर राजनीति का प्रभाव** हिंदी सिनेमा पक्सर दिखाती है कि राजनीतिक निर्णय और नीतियां आम नागरिकों के जीवन पर कैसे प्रभाव डालती हैं जिससे राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता की महत्वपूर्णता को प्रत्यक्ष किया जाता है।

**ऐतिहासिक और जीवनी फिल्मों** कुछ फिल्मों में प्रमुख राजनीतिक व्यक्तियों या ऐतिहासिक घटनाओं की कहानी दर्शाती हैं जिससे भारत के राजनीतिक विकास और नेताओं के योगदानों को बताया जाता है।

**सिस्टम की आलोचना** फिल्मों में सिस्टम में कमियों की आलोचना करती हैं और पारदर्शिताए जवाबदेही और शासन के लिए पभिवृद्धि की मांग करती हैं।

**देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति** हिंदी सिनेमा देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति का जश्र मनाती है जिससे राष्ट्रीय एकता और गर्व का भाव बढ़ाया जाता है।

**मीडिया की भूमिका** फिल्मों में मीडिया की भूमिका को भी दर्शाती हैं जो सार्वजनिक मत का आकार और राजनीतिक स्कीमों पर कैसे प्रभाव डालता है।

हिंदी सिनेमा भारतीय राजनीति का प्रतिबिम्ब है जिससे लोगों को जागरूक किया जाता है और देश में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है।

भारतीय सिनेमा और राजनीति दोनों ही विषय भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। सिनेमा राजनीतिक संदेश और सामाजिक बदलाव को प्रभावित करने का एक प्रमुख माध्यम बनता है जिससे जनता को संबोधित किया जा सकता है। विभिन्न फिल्मों में राजनीतिक मुद्दों पर पने दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती हैं और समाज की चेतना को जगाती हैं। इसके साथ ही राजनीतिज्ञ

भी कई बार सिनेमा के जरिए अपने संदेशों को लोगों तक पहुंचाते हैं। इस तरह भारतीय सिनेमा और राजनीति एक-दूसरे के साथ गहरा संबंध रखते हैं।

भारतीय सिनेमा और राजनीति के बीच इस संबंध का असर न केवल सिनेमा की दुनिया में बल्कि राजनीतिक मामलों में भी दिखाई देता है। कई बार फिल्मों में राजनीतिक विवादों में फंसी हैं या उन्हें राजनीतिक दबाव का शिकार बनाया जाता है। सिनेमा में राजनीतिक व्यक्तियों को प्रदर्शित करने से उनके विचार और पक्षपात से संबंधित विवाद भी उभर सकते हैं। कई फिल्मों में राजनीतिक मुद्दों, राजनीतिक नेताओं और समाज में प्रभावशाली व्यक्तियों के चरित्रों के माध्यम से राजनीति को दिखाती हैं। इन फिल्मों में विभिन्न राजनीतिक विवादों, नीतियों और समस्याओं पर चर्चा की जाती है जो समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। ऐसे फिल्मों दर्शकों को राजनीति के अलग-अलग पहलुओं को समझने और विचार करने का मौका प्रदान करती हैं।

संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और शक्ति के प्रयोग की विभिन्न पहलुओं को दर्शाने के लिए भी राजनीतिक फिल्में प्रयुक्त होती हैं। ये फिल्में विभिन्न राजनीतिक संकटों और चुनौतियों के साथ एक सामंजस्यपूर्ण कहानी बयां करती हैं और दर्शकों को सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा देती हैं।

राजनीतिक फिल्मों न केवल राजनीतिक उद्दीपना प्रदान करती हैं बल्कि ये समाज की अवस्था, विचारधारा और वास्तविकता को भी दिखाती हैं। इन फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को राजनीतिक प्रक्रियाओं और व्यवहारों के प्रति जागरूकता बढ़ती है और उन्हें सामाजिक समस्याओं के समाधान में भागीदार बनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

कई फिल्मों हैं जिनमें राजनीति का विद्वेष स्वरूप दिखाया गया है। इनमें से कुछ मामूली उदाहरण निम्नलिखित हैं:

**भृत्य और महादेवी** . यह फिल्म राजनीतिक संकटों और बेरहमी से लड़ने के लिए एक महिला नेत्री की कहानी को प्रस्तुत करती है।

**बिहारी मीडियम** . इस फिल्म में एक आम और साधारण परिवार के सदस्य राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से जुड़कर अपने बच्चे को एक अच्छी शिक्षा देने के लिए लड़ते हैं।

**राजनीति** . यह फिल्म राजनीतिक परिवर्तन, राजनीतिक संकट और सत्ता के खींचाव को दिखाती है।

**नेता** . इस फ़िल्म में एक युवा नेता की कहानी दिखाई जाती है जिसे सरकारी बदलाव के लिए लड़ना पड़ता है।

ये फ़िल्में राजनीतिक विद्रूप स्वरूप को ंलग.लग तरीकों से प्रस्तुत करती हैं और दर्शकों को राजनीति के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करती हैं।

इस प्रकार हिंदी फिल्मों की राजनीति में भूमिका बहुत मायने रखती है और ये एक शक्तिशाली माध्यम हैं जो समाज को उत्तेजित करने और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने में सहायक होते हैं। इसके ंलावा राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा सिनेमा में ंभिनय करने के बाद उनकी छवि पर भी प्रभाव पड़ता है। कुछ राजनीतिज्ञ सिनेमा में ंपनी शक्ति और उदारता को प्रदर्शित करने के लिए इस्तेमाल किया करते हैं जबकि कुछ फिल्मकार राजनीतिक मुद्दों को सिनेमा के माध्यम से उठाकर समाज को जागरूक करने के लिए प्रयास करते हैं। यह संबंध दिनों-दिनों बदलते रहते हैं और दोनों क्षेत्रों के बीच समर्थन और विरोध भी देखने को मिलते हैं। इस संबंध के माध्यम से जनता और समाज को सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर विचार करने का मौका मिलता है और देश के उदारीकरण और विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस संबंध में एक रुचिकर तथ्य है कि कुछ राजनीतिज्ञ ंपनी सिनेमाई करियर को राजनीति में एक पायदान के रूप में उपयोग करते हैं। उन्हें फिल्मों के माध्यम से जनता के बीच ंपनी विचारधारा को प्रचारित करने का एक शक्तिशाली माध्यम मिलता है। इस तरह वे ंपने पक्ष को मजबूत करते हैं और चुनावों में उम्मीदवार के रूप में भी सम्मिलित हो सकते हैं।

सिनेमा और राजनीति दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जो समाज को प्रभावित करते हैं। सिनेमा द्वारा हम विभिन्न कथाएं विचारों और ंनुभवों को साझा करते हैं जो समाज में संवाद को बढ़ाने में मदद करता है। वहीं राजनीति समाज के संरचना और नियमों को निर्धारित करती है और लोगों के ंधिकारों की सुरक्षा करती है। दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक प्रगति के लिए सहयोग ंपरिहार्य है ताकि समाज समृद्धि और विकास की दिशा में आगे बढ़ सके। इसके ंलावा सिनेमा और राजनीति के बीच गहरा संबंध होता है। सिनेमा में दर्शकों को संघर्ष, समाज और राजनीतिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने का माध्यम मिलता है। वे फिल्मों के माध्यम से राजनीतिक प्रचार भी करते हैं और समाज को विभिन्न समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाते हैं।

विपक्ष भी सिनेमा का उपयोग करता ह॥पने विचारों को प्रसारित करने के लिए और सरकारी नीतियों के खिलाफ विरोध करने के लिए। आम जनता को राजनीतिक विचारधारा और नेताओं की दिशा में उनकी फिल्मों के माध्यम से उदाहरण और प्रेरणा मिलती ह॥

इस प्रकार॥ सिनेमा और राजनीति का संबंध एक सकारात्मक और गुरुत्वाकर्षक दिशा में आगे बढ़ सकता ह॥जो समाज में समरसता॥ सम्मान॥ और विकास को संभव बनाता ह॥ इन दोनों क्षेत्रों के साथसाथ काम करने से समाज में सुधार और प्रगति की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रस्तुत होता ह॥